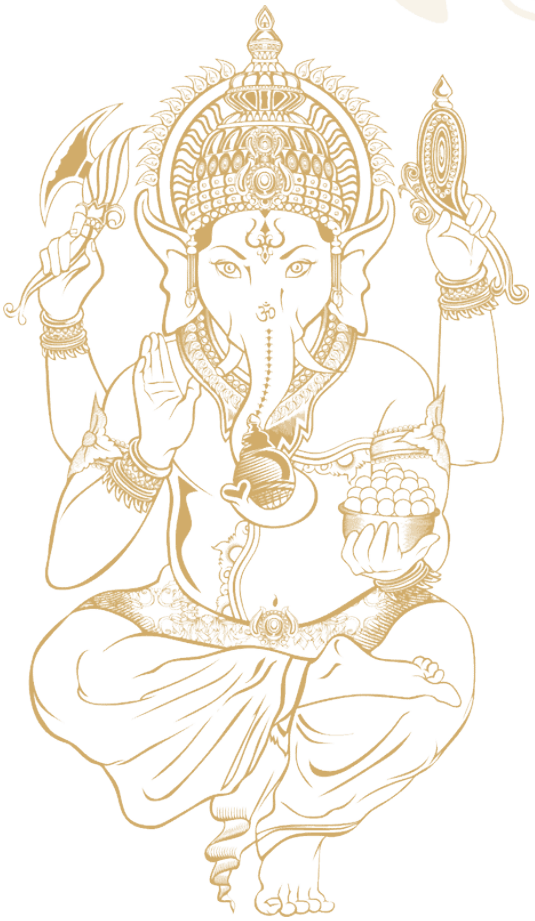

09 Oct 2000

08:10 AM

Barddahamau

Model: web-freekundliweb

Order No: 121300404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/10/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	06:31:48 घटी
स्थान	**Barddahamau**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	23:15:00 उत्तर
रेखांश	87:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:21:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:31:28 घंटे
वेलान्तर	00:12:45 घंटे
साम्पातिक काल	09:43:35 घंटे
सूर्योदय	05:33:16 घंटे
सूर्यास्त	17:18:00 घंटे
दिनमान	11:44:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:14:56 कन्या
लग्न के अंश	26:31:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:31:13	316:34:50	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कन्या	22:14:56	00:59:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कुंभ	02:06:13	12:09:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल			सिंह	20:00:48	00:37:28	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	17:24:40	00:50:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	17:13:03	00:01:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	23:47:34	01:13:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		वृष	06:29:23	00:02:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	26:55:22	00:05:18	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	26:55:22	00:05:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:09:32	00:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	09:56:20	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:56:27	00:01:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	29:42:13	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:47

लग्न-चलित

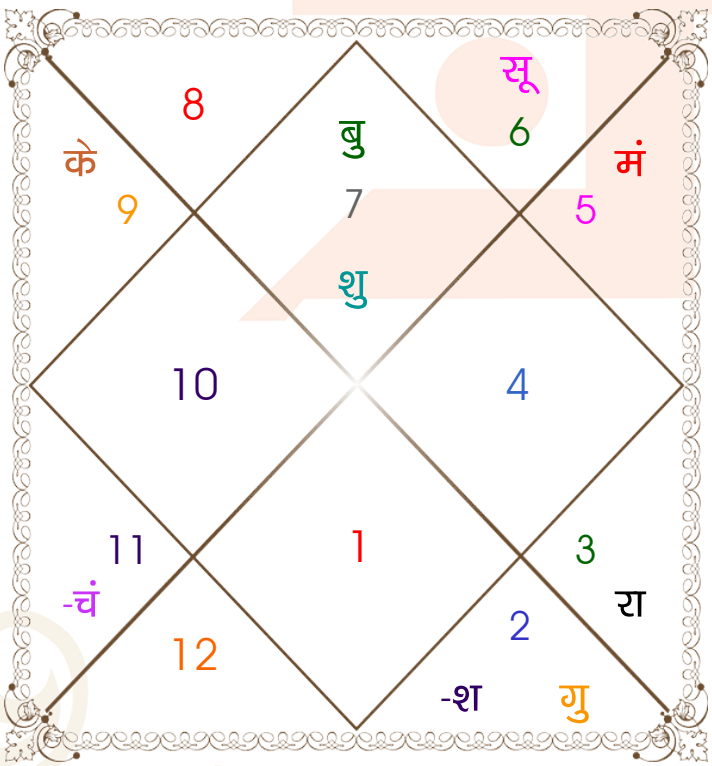

चन्द्र कुंडली

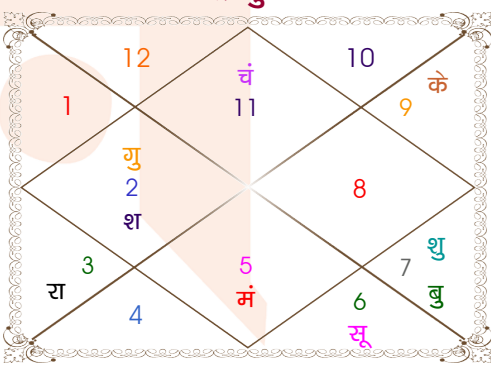

नवमांश कुंडली

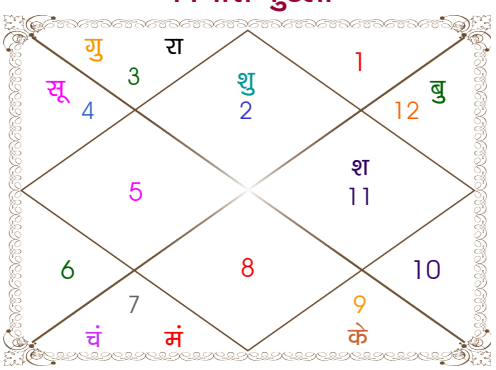

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 4 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/10/2000		03/03/2003		02/03/2021		02/03/2037		02/03/2056	
03/03/2003		02/03/2021		02/03/2037		02/03/2056		02/03/2073	
	00/00/0000	राहु	13/11/2005	गुरु	21/04/2023	शनि	05/03/2040	बुध	30/07/2058
	00/00/0000	गुरु	08/04/2008	शनि	01/11/2025	बुध	13/11/2042	केतु	27/07/2059
	00/00/0000	शनि	13/02/2011	बुध	07/02/2028	केतु	23/12/2043	शुक्र	27/05/2062
	00/00/0000	बुध	01/09/2013	केतु	13/01/2029	शुक्र	22/02/2047	सूर्य	02/04/2063
	09/10/2000	केतु	19/09/2014	शुक्र	14/09/2031	सूर्य	04/02/2048	चंद्र	01/09/2064
केतु	25/01/2001	शुक्र	19/09/2017	सूर्य	02/07/2032	चंद्र	04/09/2049	मंगल	29/08/2065
शुक्र	27/03/2002	सूर्य	14/08/2018	चंद्र	01/11/2033	मंगल	14/10/2050	राहु	17/03/2068
सूर्य	02/08/2002	चंद्र	13/02/2020	मंगल	08/10/2034	राहु	20/08/2053	गुरु	23/06/2070
चंद्र	03/03/2003	मंगल	02/03/2021	राहु	02/03/2037	गुरु	02/03/2056	शनि	02/03/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/03/2073		02/03/2080		03/03/2100		04/03/2106		03/03/2116	
02/03/2080		03/03/2100		04/03/2106		03/03/2116		00/00/0000	
केतु	29/07/2073	शुक्र	03/07/2083	सूर्य	21/06/2100	चंद्र	02/01/2107	मंगल	30/07/2116
शुक्र	29/09/2074	सूर्य	02/07/2084	चंद्र	20/12/2100	मंगल	03/08/2107	राहु	18/08/2117
सूर्य	03/02/2075	चंद्र	03/03/2086	मंगल	27/04/2101	राहु	01/02/2109	गुरु	25/07/2118
चंद्र	05/09/2075	मंगल	03/05/2087	राहु	22/03/2102	गुरु	03/06/2110	शनि	02/09/2119
मंगल	01/02/2076	राहु	02/05/2090	गुरु	08/01/2103	शनि	02/01/2112	बुध	30/08/2120
राहु	18/02/2077	गुरु	31/12/2092	शनि	21/12/2103	बुध	03/06/2113	केतु	10/10/2120
गुरु	25/01/2078	शनि	02/03/2096	बुध	27/10/2104	केतु	02/01/2114		00/00/0000
शनि	06/03/2079	बुध	01/01/2099	केतु	03/03/2105	शुक्र	02/09/2115		00/00/0000
बुध	02/03/2080	केतु	03/03/2100	शुक्र	04/03/2106	सूर्य	03/03/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।